

विद्यार्थक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 08-02-2020

वर्ग - B.A.-I

उत्तरीय प्रश्न

Objective

प्रश्न संख्या

प्रश्न का प्रकार

वर्ग

प्रश्न का प्रकार

प्रश्न संख्या

दिनांक

हस्ताक्षर

प्रश्न का प्रकार

निश्चित विनिमय दर प्रणाली में मुद्रातान संतुलन का स्वचालित समायोजन लाया जाता है → राजकोषीय नीति दृष्टिकोण में विचलन के द्वारा।

179. प्रभुत्व का प्रभाव होता है → 1. धरेलू कीमत को बढ़ाने के लिए 2. उपभोग घटाने के लिए।
180. LMF → मुद्रातान संतुलन की कठिनाइयाँ।
181. एक व्यापार करने वाले बड़े देश के लिए, वैकल्पिक प्रभुत्व तर्क इस प्रतिज्ञा पर आधारित है कि आयातों पर प्रभुत्व → देश के व्यापार की शर्तों को सुधारता है।
182. कल्पना कीजिए कि एक देश ने स्वतंत्र रूप से प्रवाहित विनिमय विनिमय दर प्रणाली को अपनाया है, तो अन्य बातें समान रहें तो यदि देश में कीमत स्तर बढ़ती है, तो इसका परिणाम होता है → देश की मुद्रा की मांग में वृद्धि और मुद्रा में घटती वृद्धि।
183. कौन सी एक संबंधित उदाहरण शीट की बालीयाँ में शामिल है →
  1. सेवाओं में व्यापार पर सामान्य (नग्न)।
  2. व्यापार संबंधित वॉल्फेक संस्था-आधिकार।
  3. व्यापार संबंधित निवेश उपाय।
184. व्यापार प्रतिष्ठान का डेफ़िसेट-आडिजिट सिद्धांत मानता है → पूर्ण प्रतिभागीता, उत्पाद एवं उत्पादन दोनों बजारों में।
185. सही अवस्था है → लागत की स्थापना → उदाहरण शीट की बालीयाँ में लागत की सीधे-से-वैकल्पिक।
186. एक देश की मुद्रातान संतुलन का धारा निर्दिष्ट करता है → वित्त निभाव प्राप्ति और स्वायत्त मुद्रातानों के बीच अन्तर को।
187. विशेष आदर्श अधिकार (SDR) IMF की मुद्रा है। यह होती है → मात्र बड़ी खाता प्रविष्टि के रूप में।
188. मात्र लीजिए की विशेष अवस्था में दो देश शामिल हैं। स्वदेश और विदेश। स्वदेश द्वारा विदेश से किए गए अपने आयातों पर लगाया गया प्रभुत्व इस दंगे → स्वदेशी उत्पाद वक्र को बायीं ओर।
189. एक छोटी प्रतिभागी मुद्रा के संदर्भ में, आयात प्रभुत्व में वृद्धि के कारण होता है → कल्याण के रूप में उत्पादन कुल मात्रा मुद्रा, क्योंकि धरेलू उत्पाद प्रभुत्व संस्था में मुद्रा प्राप्त है।

वैश्विक सम्मेलन के परिणाम स्वरूप स्थापना की गई →

- 1. IMF
- 2. IBRD - अंतर्राष्ट्रीय विकास एवं पुनर्निर्माण बैंक की।

191. निर्यात के दो बहुत व्यापार मॉडल में उत्पादन में समृद्धि वि-  
शेषता, मुक्त व्यापार संतुलन में धरित होता है, क्योंकि →  
उत्पादन सम्भावना सीमान्त स्थिर अवसर लागत को संतुष्ट  
करता है।

192. भारत हस्तनिर्मित कारीगरी का निर्यात निर्यातक है और  
कम्प्यूटर मशीरी विप्लव तथा प्रिन्टर जैसे उच्च आर्थिक/वैश्विक  
उत्पादों का आयातक है। भारतीय व्यापार के इस प्रतिष्ठ  
की व्याख्या की जाती है। → मूल्य के अन्त विप्लव द्वारा

193. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ सम्मिलित राष्ट्रों में बाँटे जाते  
हैं → मांग और वित्त के लान्य अनुसार।

194. अनुकूलतम प्रत्युत्क का क्षेत्र है → जब  $e =$  विशेषी देश  
के प्रस्ताव वक्र का लान्य,  $t =$  अनुकूलतम प्रत्युत्क। →  
$$t = \frac{1}{e-1}$$

195. " अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अन्तर्देशीय अथवा अन्तस्थानीय व्यापार  
का विशेषरूप मात्र है " → वॉरिल आर्थिकीन -।

196. व्यापार के क्षेत्रों का कारण है → लागतों में दुर्लभात्म अंतर।

197. एक देश का व्यापार संतुलन बराबर है → निर्यात-आयात

198. एक देश का "ऑफर बक्र" उस अक्षर की ओर मुका हुआ होता है  
जिसपर बतया जाता है → आयात बहुत।

199. यदि किसी देश की व्यापार वक्रें 3 हैं तो उसके व्यापार के  
सहभागी देश की व्यापार वक्रें हैं →  $1/3$ ।

200. आठोंकी वह अवस्था है जहाँ → राष्ट्रों के मध्य कोई व्यापार  
नहीं है।

201. भुगतान संतुलन का आधिक्य कारण का सकता है →  
राजगार और मुद्रा की मात्रा में अदिफका।

202. एक देश की करेंसी के मूल्य में गिरावट से धरल कीमतें →  
अपरिवर्तित रहती हैं।

का देश अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तब करेंगे जबकी —→  
दोनों देशों की धारणा विभिन्न अनुपात अलग हो।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन में —

1. यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का विशिष्ट लक्ष्य है।
2. विज्ञेता अपनी निम्न आगोचर शक्त का बचते हैं, जहाँ उनकी का शक्त करते हैं।
3. उपभोगता अपनी लाभ और एवं विज्ञेता अपनी उपभोगिता ताए बढ़ाते हैं।

205. हेक्शर-ओहलीन सिद्धान्त दुलनात्मक लागत का सिद्धांत है किन्तु दुलनात्मक लागत धर्म चाहिए —→ कीमतों में, जो सामान्य साम्य कीमतें हैं।

206. अगर मुताबक संतुलन में निरंतर अधिव्यय हो तो —→ इसमें देश में मुद्रा विदेशी विभिन्न दर में वृद्धि होगी, जिससे निर्यात गिर सकते हैं।

207. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का साधारणतया यह प्रभाव होता है कि —→ निर्यात अगर आयातों से अधिक होता है तो आप उष्ण लक्ष्य हो बढ़ती है।

208. अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों दीर्घकाल में सबसे अच्छी तरह समझ सकते हैं यदि —→ न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप के साथ स्वतंत्रता एवं बहुराष्ट्रीय लोग हैं।

209. प्रतिफल मुताबक संतुलन की दीर्घकाल में ठीक होने का उपाय है —→ विदेशी मुद्रा की दुलना में अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करें।